हरित व जैव ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियों की यूपी पर नजर

दिल्ली में हुए भारत ऊर्जा सप्ताह में कंपनियों ने निवेश में दिखाई रुचि

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। हरित, जैव और कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) क्षेत्र की कंपनियों की निगाह यूपी पर लगी है। देश ही नहीं, विदेश की कंपनियां भी प्रदेश को बड़े बाजार के रूप में देख रही हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में निवेश बढ़ने की उम्मीद है। अब तक यूपी में ऊर्जा क्षेत्र में करीब 4.47 हजार करोड़ का निवेश हो चुका है।

दिल्ली में भारत ऊर्जा सप्ताह के तहत एक मंच पर जुटे देश-विदेश की कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हरित, जैव और सीबीजी का दायरा बढ़ाने पर जोर दिया। कहा, गुजरात, राजस्थान सहित कई राज्यों में इस दिशा में कार्य हुआ है। अब उनकी निगाह यूपी पर है। यहां निवेश के लिए बेहतर माहौल है। हाइड्रोजन पॉलिसी 2024 लागू की जा चुकी है।

पेट्रोनेट एलएनजी के प्रबंधक मयंक ने बताया कि यूपी में परिवहन कनेक्टिविटी बढ़ी है। सरकार भी नियमों में कई छूट दे रही है। इससे बेहतर परिणाम मिलेंगे। एग्रीविजय के सीईओ विमल पंजवानी कहते हैं कि कृषि अपशिष्टों से बिजली बनाने की दिशा में काम हो रहा है। कंपनी ने मिर्जापुर में काम शुरू किया है। अन्य जिलों में भी सर्वे हो रहा है। इससे किसान समूहों को जोड़ा जा रहा है।

हरित ऊर्जा क्षेत्र में विश्वमंच पर आगे बढ़ रहा है भारत : पुरी

लखनऊ। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि हरित ऊर्जा क्षेत्र में विश्वमंच पर भारत आगे बढ़ रहा है। पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, हरित ऊर्जा, जैव ईंधन और सीबीजी व अन्य क्षेत्रों को शामिल कर नए लक्ष्य हासिल किए जा रहे हैं। यूपी की आबादी ज्यादा है इसलिए उसकी भूमिका अहम है।

कहा- उत्तर प्रदेश की आबादी ज्यादा, इसलिए भूमिका भी अहम

अमर उजाला से बातचीत में पुरी ने कहा कि भारत ऊर्जा सप्ताह के दौरान सभी कंपनियों ने हरित, जैव उर्जा के क्षेत्र में नवाचार का प्रदर्शन किया है। तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आपूर्ति के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ संबंध बढ़े हैं। कच्चे तेल के आयात के लिए ब्राजील के पेट्रोब्रास, बीपीसीएल और एडीएनओसी ने एलएनजी ऑफटेक के साथ अनुबंध किया है। ईआईएल ने रिफाइनिंग, पाइपलाइन संचालन और उत्सर्जन में कमी के लिए बीपी बिजनेस सॉल्यूशंस इंडिया के साथ समझौता किया है।

हाइड्रोकार्बन व्यापार को आगे बढ़ाते हुए बीपीसीएल ने एलपीजी (प्रोपेन और ब्यूटेन) की खरीद के लिए इक्विनोर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया है। उन्होंने कहा कि इसका लाभ यूपी को भी मिलेगा। यूपी में अभी सीएनजी पंप और इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशनों की कमी है। इस दिशा में भी कदम बढ़ाया जा रहा है। राज्य सरकार ने भी कई कंपनियों से समझौता किया है। कुछ ने काम शुरू कर दिया है। आने वाले दिनों में यूपी के लोगों को इसका बेहतर लाभ मिलेगा। ब्यूरो